

छमावान वि. (तद्.) दे. क्षमावान।

छमासी स्त्री. (देश.) वह श्राद्ध जो किसी की मृत्यु से छः महीने पर किया जाए **विशे.** छः मास की अवधि वाली।

छमी वि. (तद्.) क्षमी, क्षमाशील, समर्थ।

छय पुं. (तद्.) नाश, विनाश, क्षय।

छर पुं. (देश.) दे. छल स्त्री. (अनु.) छरों या कर्णों के वेग से निकलने का शब्द जैसे- प्रातः से ही छर-छर कंकड़ियाँ गिर रही हैं।

छरकना अ.क्रि. (देश.) छर-छर करके छिटकना या बिखरना।

छरकीला वि. (देश.) छिटकने वाला, दूर रहने वाला जैसे- जो स्वभाव से छरकीले होते हैं उनमें अपनी बातें छिपाने का रोग होता है।

छरछर पुं. (अनु.) 1. कर्णों या छरों के वेग से निकलने और दूसरी वस्तुओं पर गिरने का शब्द 2. पतली लचीली छड़ी के लगने का शब्द।

छरछराना अ.क्रि. (देश.) 1. नमक या क्षार आदि लगने से शरीर के घाव या छिले स्थान में पीड़ा होना, चुनचुनाना 2. कर्णों का वेग से किसी वस्तु पर गिरना या बिखरना।

छरछराहट स्त्री. (देश.) 1. कर्णों के वेगपूर्वक एक साथ निकलने और गिरने का भाव 2. घाव में नमक आदि लगने से उत्पन्न पीड़ा या टीस।

छरना अ.क्रि. (तद्.) 1. चूना, बहना, टपकना, झरना 2. चुचुवाना 3. छँटना, दूर होना 4. चावल को फटक कर साफ किया जाना 5. छँटकर अलग होना 6. भूत-प्रेत आदि द्वारा आक्रांत होना **स.क्रि.** 1. कंकड़-पत्थर या अन्य गंदगी अलग करने के लिए चावल को फटकना 2. ओखली में डालकर धान आदि को कूटना और छँटाई करना 3. छल-कपट करना, धोखा देना, ठगी करना।

छरपुरी स्त्री. (देश.) 1. छरीला, पत्थर फूल 2. एक पुड़िया जिसमें छरपुरी आदि सुगंधित द्रव्य होते हैं जो विवाह में चढ़ाए जाते हैं।

छरहरा वि. (देश.) 1. पतले बदन वाला जिसमें स्थूलता न हो 2. स्फूर्ति वाला, चुस्त, चालाक, तेज।

छरहरापन पुं. (देश.) 1. कृशता, दुबलापन 2. चुस्ती, फुर्ती।

छराना स.क्रि. (देश.) ठगना, भयभीत करना, मुग्ध करना, भुलाना, आक्रांत करना।

छरीदा वि. (अर.) 1. एकाकी, बिना किसी साथी का 2. बिना कोई भार लिए, बोझहीन (यात्रा के संबंध में प्रयोग किया जाने वाला शब्द)।

छरीला पुं. (देश.) 1. जलाशय में होने वाली वनस्पति (सेवार) काई 2. शिलासुमन, औषध में प्रयोग किया जाने वाली वनस्पति।

छर्द पुं. (तद्.) वमन या उल्टी करना, खाया-पीया के करके बाहर निकालना।

छर्छा पुं. (देश.) 1. छोटी कंकड़ी 2. लोहे या सीसे के छोटे-छोटे टुकड़े जो कारतूस में भरे जाते हैं।

छल पुं. (देश.) 1. असली रूप को छिपाना जिससे दूसरों को धोखा दिया जाए 2. ठगने वाली बात या व्यवहार, ठगी 3. बहाने वाली, नियमविरुद्ध आचरण 4. कपटपूर्ण व्यवहार, छल पुं. (देश./अनु.) जल के गिरने का छल छल शब्द।

छलक स्त्री. (देश.) छलकने की क्रिया।

छलकन स्त्री. (देश.) 1. जल के छलकने का भाव 2. अंतःस्थित भावों का बाहर प्रकट होना, उद्गार।

छलकना अ.क्रि. (देश.) 1. जल या किसी तरल पदार्थ का बरतन के हिलने डुलने के कारण बाहर आना 2. उमड़ पड़ना बाहर आ जाना, छलक पड़ना।

छलकाना स.क्रि. (देश.) भरा हुआ जल हिला डुलाकर बाहर निकालना, छितराना **ना.** बाहर प्रकट करना।